आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 16 March 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से सदाकाल के लिए देह में रहते देह की बीमारियों के फीलिंग्स से परे रहने का पुरुषार्थ करे "*

बाबा ने हम सभी को आकर स्मृति दिलाई है ...

" बच्चे यह संसार का खेल पूरा हुआ .. तुम्हे अब अपने घर वापिस जाना है "

तो केवल यह स्मृति ही नहीं लेकिन हमें अब अपने घर जाने की बहुत खुशी होनी चाहिए। हम घर जायेंगे और फिर लौटकर आयेंगे अपने राज्य में, देव स्वरूप में।

जहाँ सबकुछ अथाह होगा। सुख शान्ति चैन विश्राम संतुष्टता भरपूरता सबकुछ सम्पन्न होगा।

कमी और यह निगेटिव शब्द जहाँ होते ही नहीं , यह भारत भूमि भरपूर हो जायेगी। देवलोक हो जायेगा। सभी के चेहरे पर दिव्य तेज झलकता होगा। कांचन काया होगी।

जहाँ विकारों का नाम निशान नहीं, पवित्र निर्मल प्यार अति सुखमय दुनिया। तो हमें वापिस घर जाना है। और देव बनकर आना है।

अगर हम यह याद रखेंगे, अगर हमें इसकी स्मृति बहुत श्रेष्ठ गुड फीलिंग्स होगी तो कर्म भोग अर्थात शारीरिक बीमारीयाँ भी हमें कष्ट नहीं देगी। ऐसा लगेगा कि, सूली से काँटा हो गया है।

बहुत बहुत शारीरिक बीमारीयाँ सहज जा रही है। क्योंकि यह आत्मिक बल हमारे देह के सभी रोगों पर विजयी रहेगा।जिनकी आत्मिक बल बहुत बड़ा हुआ होगा, देह की पीड़ायें जैसे होंगी ही नहीं।

मेहसूस ही नहीं होगी। चाहे शरीर में कितना ही कष्ट क्यों न हो। तो हम ऐसा अभ्यास। अपने दैहिक पीड़ाओं से या शोक से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

यह देह में आये है। ऐसा फ़ील करे, भले ही आत्मा ही भागती है, लेकिन अशरीरी होकर हमें ऐसा फ़ील करना है ....

" मानो यह रोग मुझें है ही नहीं .. यह देह अलग है .. यह देह से रिलेटेड है.. मैं तो इनसे मुक्त हूँ.. मुझ पर इनका कोई प्रभाव नहीं है "

ऐसी स्थिति के लिए हम अपने मनोबल को बहुत बड़ा चढ़ाकर रखे। और स्वीकार कर ले ...

" यह बीमारियाँ तो आती ही है .. आये है और फिर चली भी जायेगी "

बीमारियों में हम अपने सुप्रीम सर्जन को न भूले। बीमारियों का इलाज होगा इस गुड फीलिंग से कि ....

बाबा मेरा सुप्रीम सर्जन और बस उसके आगे अपने को समर्पित कर दे कि ...

" बाबा .. यह मेरी बीमारी है .. और इसे तुम्हें हरना है "

सुप्रीम सर्जन के लिए कठिन कुछ भी नहीं है। और इस खुशी में रहे। इसको एन्जॉय करे कि ....

" मै ऐसे सुप्रीम सर्जन के पास पहुँच गया .. जिसके वश से कुछ भी बाहर नहीं है "

जैसे दुनिया में कोई बड़े सर्जन वा डाक्टर से मुलाकात हो जाये तो बीमारियाँ सहज समाप्त हो जाती है।

और यहाँ तो बाप ही स्वयं सुप्रीम सर्जन है। तो ऐसी फीलिंग में रहेंगे कि

" यह सब बीमारियाँ गई कि गई .. यह सब विदाई लेने के लिए आ रही है .. तीन युग तो क्या बाड़े चार हजार वर्ष तक कोई बीमारियाँ होगी ही नहीं .. बाद में भी कोई एक आध बार छोटी-मोटी बीमारियाँ आया करेगी "

तो हम सब बहुत सुखी संसार में जा रहे है। श्रेष्ठ भाग्य को पाने वाले है। आज इस स्वमान में रहेंगे ....

" मेरे जैसा भाग्यवान कोई नहीं है "

" मैं आत्मा इस देह को छोड़कर घर जा रही हूँ "

जाने की सीन को विजुयालाइज करेंगे ....

" जाकर बैठ गई शान्तिधाम में "

मेहसूस करेंगे ....

" शान्तिधाम की सुईट साईलेन्स को " मेहसूस करेंगे ...

" अपने घर में चैन और विश्राम को "

फिर वहाँ से ....

" मैं आत्मा नीचे आ गई .. देवता बन गई .. देव स्वरूप में हूँ "

अपने को दाव स्वरुप में देखेंगे ...

" सजा सजाया रूप .. यह है मेरा भविष्य रूप .. यह है मेरा अगला जन्म "

इस फीलिंग में रहेंगे .. इस नशे में रहेंगे। तो आने और जाने का अभ्यास करते हुए आज अपने को श्रेष्ठ भाग्य के धनी मेहसूस करते रहेंगे।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org